3

0331CH03

# कितने पैर?

**बच्चे** – सुप्रभात अध्यापिका जी!

**अध्यापिका** – सुप्रभात बच्चो! आज हम धरती पर रहने वाले जीवों के पैरों की संख्या की बात करेंगे। जीवों के पैरों की संख्या शून्य से लेकर कई सौ तक भी हो सकती है। अच्छा... कोई बता सकता है कि किस जीव के पैर नहीं होते?

**श्याम** – जी हाँ अध्यापिका जी! मुझे पता है। बरसात में मैंने बहुत केंचुए देखे हैं। उनके पैर नहीं होते। वे पेट के बल सरकते हैं।

**अध्यापिका** – बहुत ठीक! अब कुछ दो पैरों वाले जीवों की बात करेंगे... इन जीवों को द्विपाद कहते हैं। मनुष्य के अतिरिक्त आप और कोई द्विपाद बता सकते हैं?

© NCERT not to be republished

**रमेश** – क्यों नहीं! सारी चिड़ियाँ द्विपाद ही होती हैं न, अध्यापिका जी?

**अध्यापिका** – बिलकुल सही कहा रमेश! अब हम यदि पशुओं की बात करें तो यह बताइए कि आपने कभी किसी ऐसे पशु का नाम सुना है जिसके दो ही पैर हों?

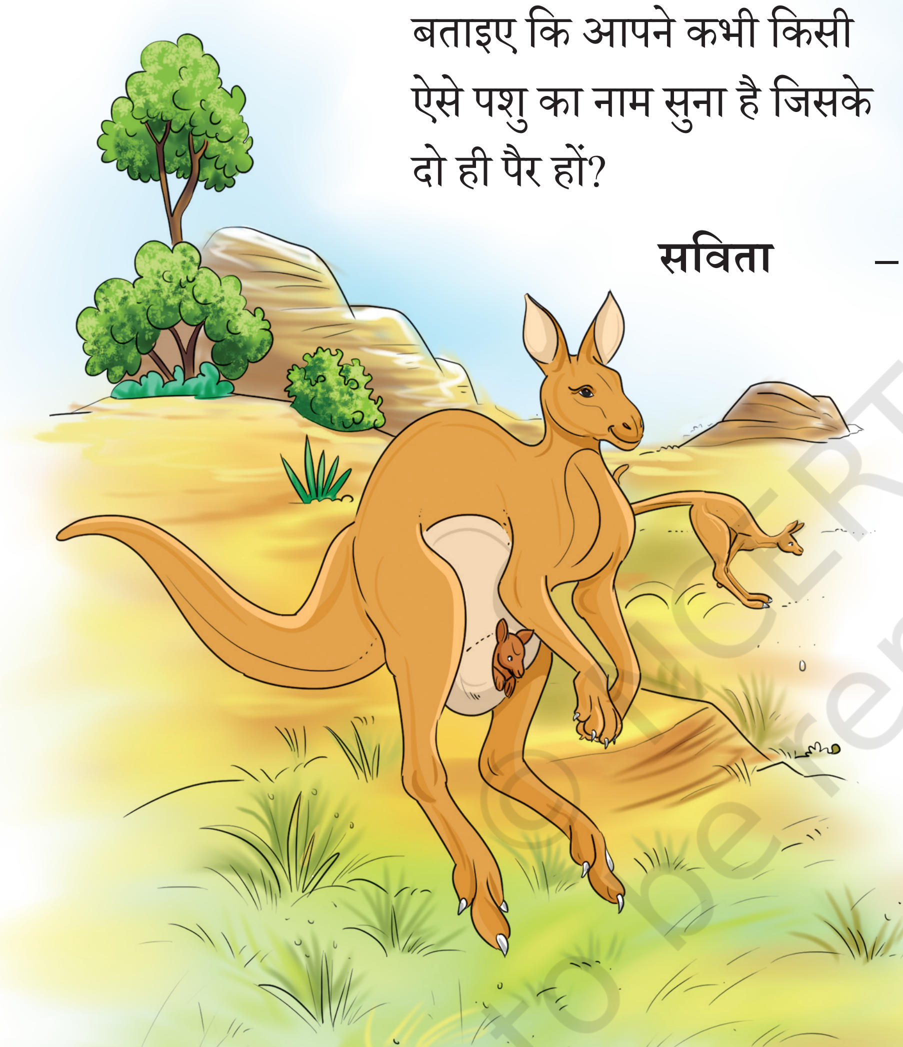

**सविता** – जी हाँ अध्यापिका जी! मेरी माँ एक दिन मुझे ऑस्ट्रेलिया देश के विषय में बता रही थीं और उन्होंने मुझे वहाँ पाए जाने वाले एक द्विपाद पशु का चित्र दिखाया था जो दो पैरों पर कूद-कूदकर चलता है। किंतु मैं उसका नाम भूल गई!

**रजनी** – हाँ... हाँ, मैंने भी उस द्विपाद पशु के विषय में एक पुस्तक में पढ़ा था जो मैं पुस्तकालय से लाई थी। मुझे उसका नाम भी याद है। उसे कंगारू कहते हैं। उसके पेट पर एक थैली भी होती है जिसमें वह अपने बच्चे को साथ ले जाता है।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 15 09-Apr-24 12:47:01 PM

**अध्यापिका** – वाह! वाह! आप सब बच्चे बड़े बुद्धिमान हैं। आपके पास मेरे सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। वह जब तेजी से चलता है तो दो पैरों पर कूदकर चलता है, लेकिन जब वह धीरे चलता है तो झुककर चार पैरों पर चलने लगता है, इसलिए उसे चतुष्पाद भी कहते हैं और कभी-कभी आगे बढ़ने में वह अपनी पूँछ का भी उपयोग करता है, इसलिए उसे पंचपाद भी कहते हैं। वैसे अधिकतर पशुओं के तो चार पैर ही होते हैं, जैसे– गाय, भैंस, और..?

**समीर** – कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा...

**वीणा** – बकरी, गधा, बंदर...

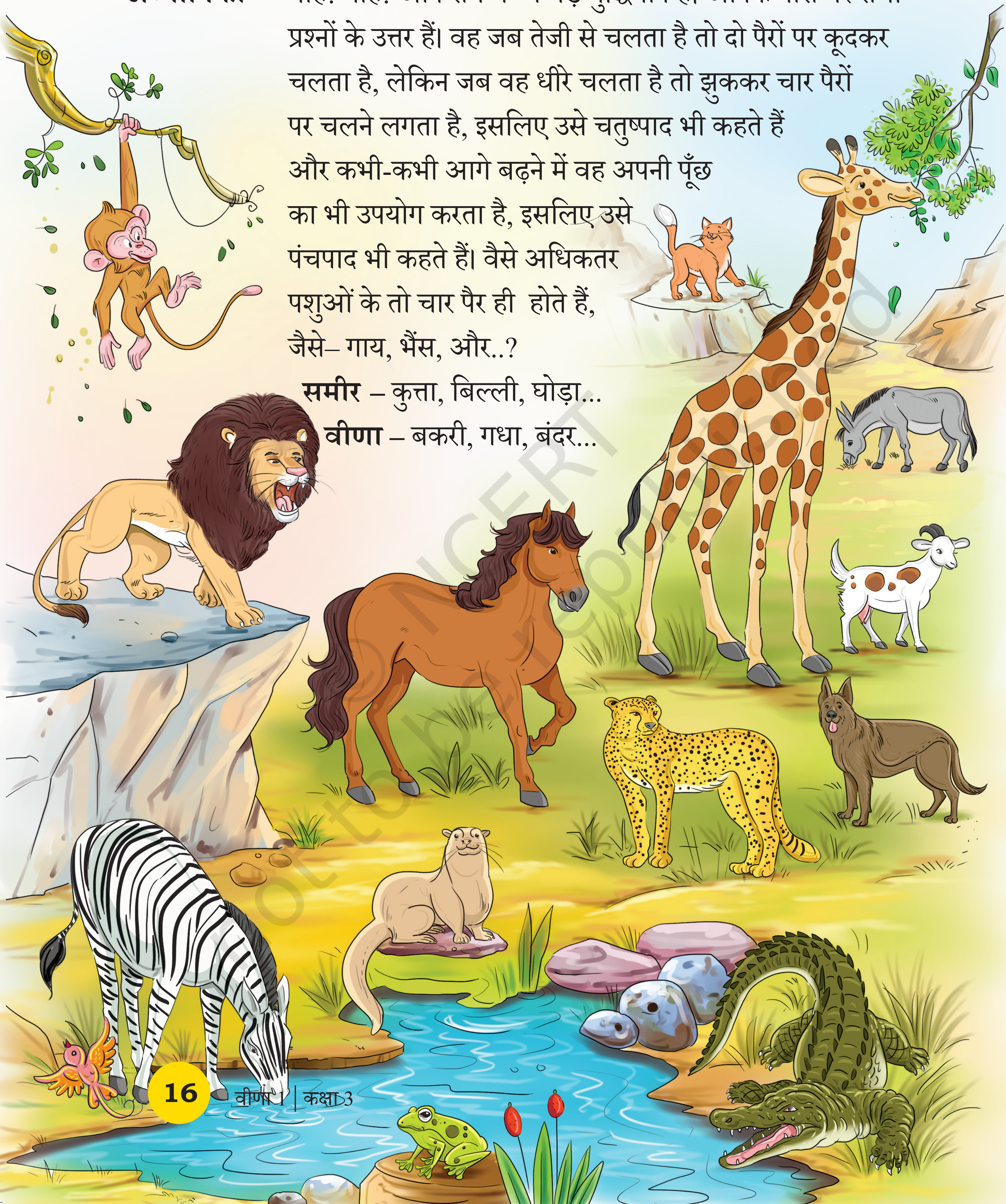

© NCERT not to be republished



Unit 1 1 to 45.indd 16 09-Apr-24 12:47:03 PM

**रफ़िया** – मेंढक, ऊदबिलाव, घड़ियाल...

**रमेश** – शेर, चीता...

**बिपिन** – ज़ेबरा, जिराफ़...

**अध्यापिका** – बहुत सही बच्चों! आप सबको तो बहुत सारे पशुओं के नाम आते हैं, लेकिन अब देखते हैं कि भिन्न-भिन्न कीटों के पैरों के विषय में आपको कितना पता है! आप सभी ने चींटे और चींटियाँ तो देखी ही हैं। बताइए उनके कितने पैर होते हैं?

**मीना** – अध्यापिका जी, मुझे चींटों को देखने में बड़ा आनंद आता है। उनका चलना मैंने बहुत पास से देखा है। मैंने कई बार उनके पैर भी गिन लिए और पता चला कि उनके छह पैर होते हैं।

**अध्यापिका** – अरे वाह! अब आप स्वयं गिनकर आई हैं तो आपका उत्तर सही ही है। आपको पता है कि चींटी के अतिरिक्त और भी कई कीटों के छह पैर होते हैं, जैसे– मक्खी, भँवरा... और?

**राम** – तितली?

**सिमरन** – झींगुर?

© NCERT not to be republished



Unit 1 1 to 45.indd 17 09-Apr-24 12:47:04 PM

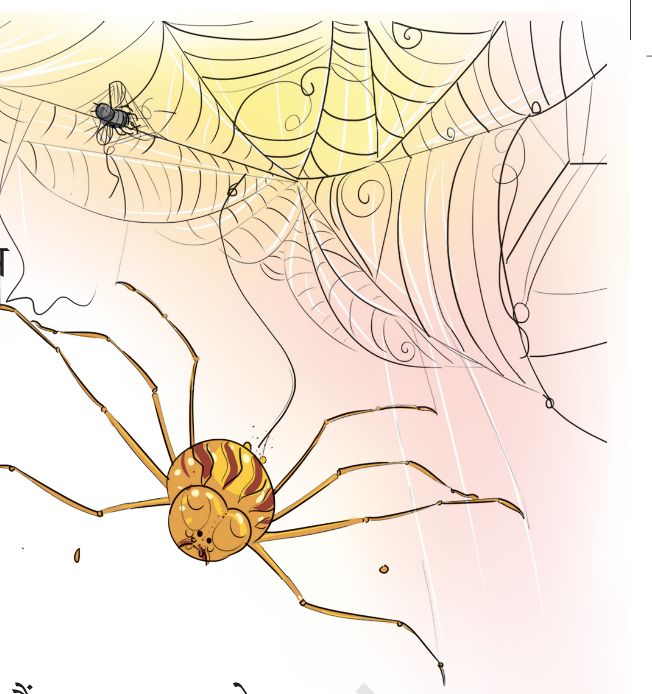

**अध्यापिका** – शाबाश बच्चों! बहुत सही कहा। आप सब कीटों में इतनी रुचि रखते हैं तो फिर आप में से कोई किसी ऐसे कीट का नाम बता सकता है जिसके छह से अधिक पैर होते हैं?

**रमेश (हँसकर)** – मकड़ी!

**सविता** – हाँ! मकड़ी के तो आठ पैर दिखाई देते हैं, जब वह जाले पर चलती है।

**अध्यापिका** – बिलकुल सही बताया! अब मैं आपको एक और ऐसे कीट के विषय में बताना चाहती हूँ, जिसके तीस (३०) से लेकर तीन सौ बयासी (३८२) तक पैर हो सकते हैं अर्थात पंद्रह (१५) जोड़ी से लेकर एक सौ इक्यानवे (१९१) जोड़ी तक पैर हो सकते हैं। इस अद्भुत कीट का नाम है— कनखजूरा। आप में से किसी ने कनखजूरा देखा है?

**सब विद्यार्थी** – नहीं!!!

**अध्यापिका** – वास्तव में घरों में इनका मिलना कठिन है। ये अधिकतर ऐसे स्थानों में रहते हैं जहाँ सीलन और अँधेरा हो, जैसे– गीले पेड़ों के तनों के अंदर या गीली घास या पत्तों के ढेर के नीचे।... पर सोचने की बात ये है कि इतने सारे पैरों वाला कैसे चलता होगा!

*–मञ्जुल भार्गव*

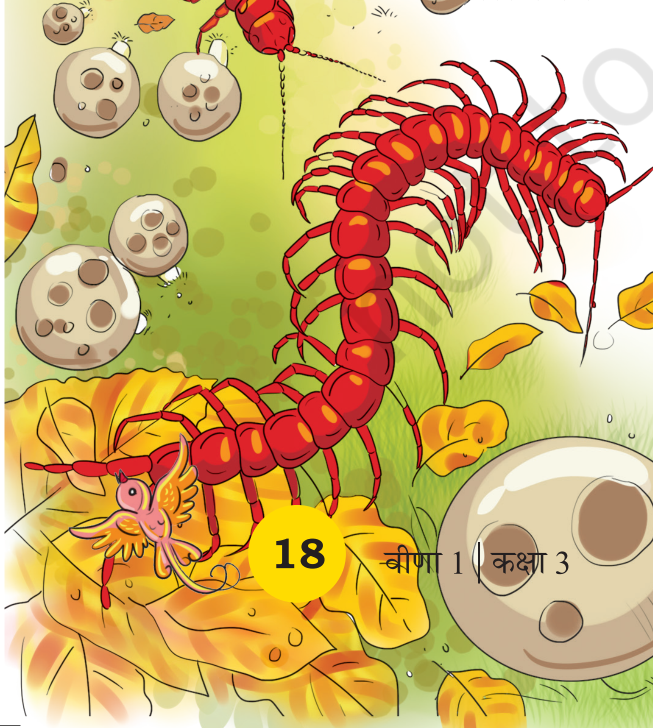

© NCERT not to be republished

## बातचीत के लिए

1. कुछ अन्य जीवों के नाम बताइए, जिनका उल्लेख इस पाठ में नहीं है और साथ ही उन जीवों के पैरों की संख्या भी बताइए।
2. शरीर के कौन-से अंग इधर-उधर आने-जाने में सहायता करते हैं?
3. क्या पशु-पक्षियों और छोटे-छोटे कीटों को भी इधर-उधर जाने में पैर सहायता करते हैं?
4. केंचुए के अतिरिक्त आप कोई और जीव बता सकते हैं, जिसके पैर नहीं होते हैं?
5. पैरों के अतिरिक्त, हमारे शरीर में और कौन-कौन से अंग दो की संख्या में होते हैं?

### आपका पैर

**अपने पैर और हाथ की बनावट को ध्यान से देखिए। आपके पैर और हाथ की बनावट में क्या समान है और क्या भिन्न है, पहचानिए और लिखिए—**

| | पैर | हाथ |
|---|---|---|
| 1. | .........अँगूठे हैं।......... | .........अँगूठे हैं।......... |
| 2. | ................................ | ................................ |
| 3. | ................................ | ................................ |
| 4. | ................................ | ................................ |
| 5. | ................................ | ................................ |

© NCERT not to be republished

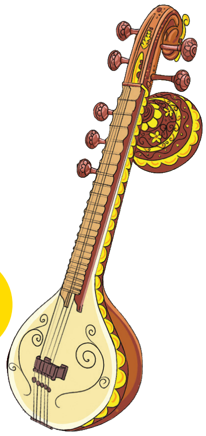

## पाठ के भीतर

**1. सही कथन के आगे (✓) का चिह्न लगाइए—**

(क) सभी जीवों के केवल दो ही पैर होते हैं। ☐

(ख) केंचुए अपने पेट के बल सरकते हैं, क्योंकि उनके पैर नहीं होते। ☐

(ग) दो पैर वाले जीवों को द्विपाद कहते हैं। ☐

(घ) गाय, भैंस, बकरी आदि चतुष्पाद हैं। ☐

(ङ) जीवों के पैरों की संख्या शून्य से लेकर कई सौ तक हो सकती है। ☐

**2. नीचे दी गई तालिका में पैरों की संख्या के अनुसार जीवों के नाम लिखिए—**

| शून्य पैर वाले | दो पैर वाले | चार पैर वाले | छह पैर वाले | आठ पैर वाले |
|---|---|---|---|---|
| .................. | .................. | .................. | .................. | .................. |
| .................. | .................. | .................. | .................. | .................. |
| .................. | .................. | .................. | .................. | .................. |

**आठ से अधिक पैर वाले** – ..........................................................................

**3. कैसे रखें पैरों का ध्यान**

अपने सहपाठियों से चर्चा करें कि हम अपने पैरों का ध्यान कैसे रख सकते हैं—

(क) नाखूनों को नियमित रूप से काटना।

(ख) ..........................................................................

(ग) ..........................................................................

(घ) ..........................................................................

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 20 16-Apr-24 3:21:58 PM

## भाषा की बात

'चार पैर वाले जीवों को चतुष्पाद कहते हैं।' चतुष्पाद का प्रचलित शब्द चौपाया है, जिसका अर्थ है— चार पैर वाला।

**1. इसी प्रकार, चार की संख्या बताने वाले कुछ और शब्द खोजकर लिखिए—**

**2. नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार तालिका पूरी कीजिए—**

| एक | 1 | १ |
|---|---|---|
| दो | 2 | .......... |
| तीन | .......... | ३ |
| .......... | 4 | ४ |
| पाँच | .......... | ५ |
| छह | 6 | .......... |
| .......... | 7 | ७ |
| आठ | .......... | ८ |
| .......... | 9 | .......... |
| दस | .......... | १० |

© NCERT not to be republished

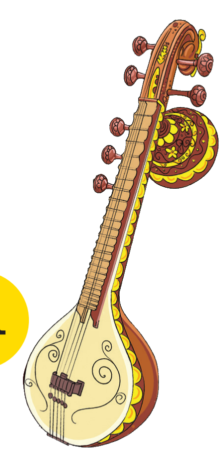



Unit 1 1 to 45.indd 21 09-Apr-24 12:47:08 PM

## सोचिए और लिखिए

कल्पना कीजिए कि एक दिन किसी स्थान पर कनखजूरा, केंचुआ, चिड़िया और आप एक साथ मिलते हैं। कनखजूरा अपने पैरों की बात शुरू करता है। सोचकर लिखिए कि आप सब के बीच क्या-क्या बातें होंगी।

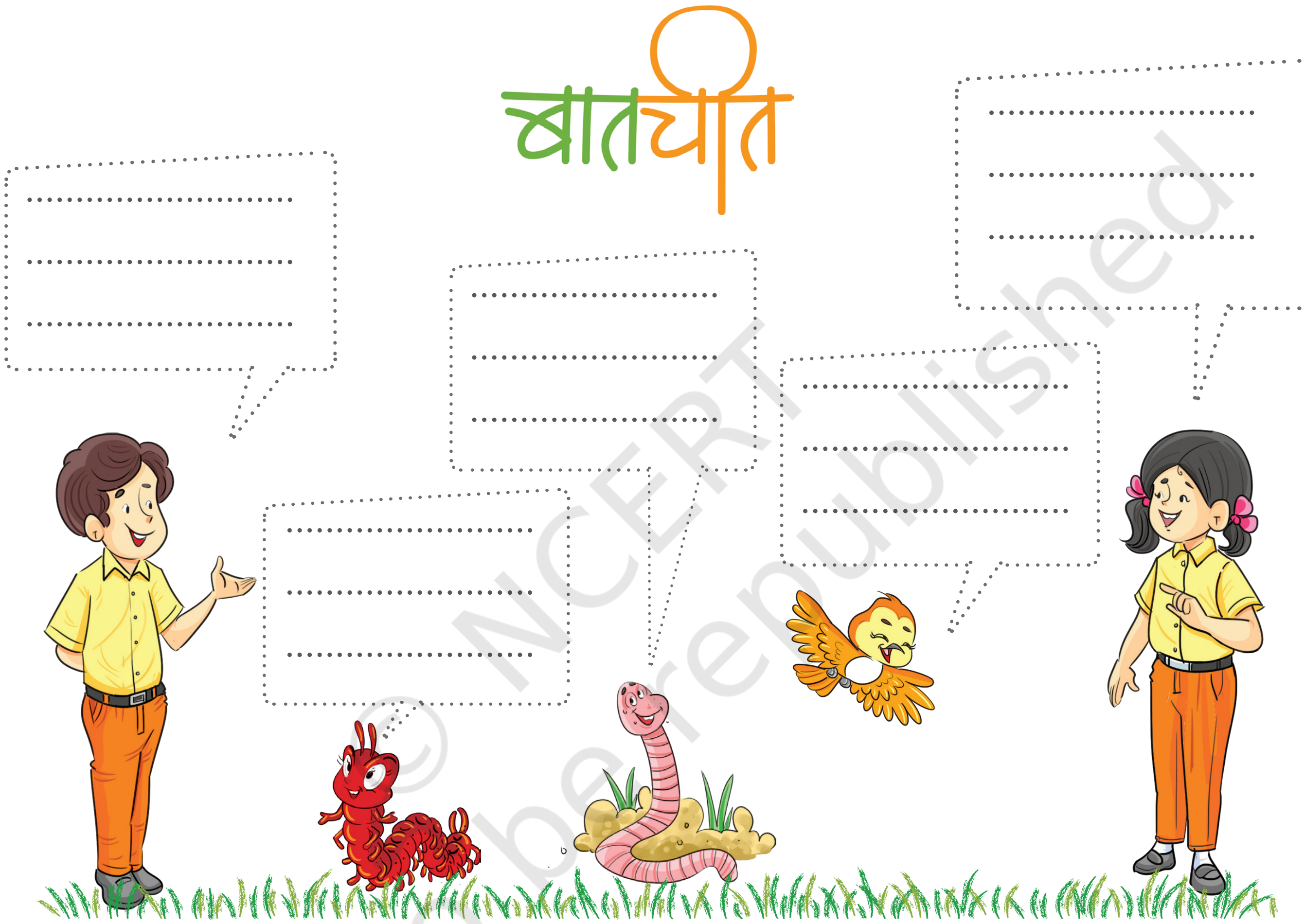


© NCERT not to be republished

### पहेली से पहले

1. आपने देखा कि एक खेत में कुछ भैंसें चर रही हैं। आपने गिना तो उनके कुल मिलाकर बत्तीस (३२) पैर निकले। बताइए कितनी भैंसें हैं?



Unit 1 1 to 45.indd 22 09-Apr-24 12:47:10 PM

2. आपने देखा कि एक स्थान पर कई मकड़ियाँ चल रही हैं। आपने गिनकर देखा तो फिर से कुल बत्तीस (३२) पैर निकले। बताइए कितनी मकड़ियाँ हैं?

3. अब, एक और स्थान पर आपने देखा कि कई चींटियाँ और मकड़ियाँ चल रही हैं। आपने गिनकर देखा कि उनके कुल मिलाकर चौंतीस (३४) पैर हैं। बताइए कितनी चींटियाँ और कितनी मकड़ियाँ हैं?

## बूझो तो जानें

लालटेन ले पंखों में,
उड़े अँधेरी रात में।
जलती बाती बिना तेल के,
ठंड और बरसात में।

तीतर के दो आगे तीतर, तीतर के दो पीछे तीतर
आगे तीतर, पीछे तीतर, बोलो कितने तीतर?

© NCERT not to be republished

# दोस्त के जूते

मेंढक जूते बनाता था। एक दिन उसकी दुकान के सामने से एक काला चींटा निकला। चींटे के पास गुड़ की डली थी। मेंढक ने चींटे से कहा, “थोड़ा गुड़ दे दो। मच्छर खाते-खाते ऊब गया हूँ।” चींटा बोला, “अगर तुम मेरे दोस्त के लिए जूते बना दो तो आधा गुड़ तुम्हारा।”

मेंढक ने सोचा, गुड़ के बदले छह जूते बनाना अच्छा सौदा है। उसने हामी भर ली। चींटे ने आधा गुड़ मेंढक को दे दिया। अगले दिन चींटा अपने दोस्त के जूतों का नाप देने मेंढक के पास पहुँचा।

चींटे का दोस्त कनखजूरा था।

*– चंदन यादव*

*(इकतारा ट्रस्ट की पत्रिका ‘प्लूटो’ से साभार)*

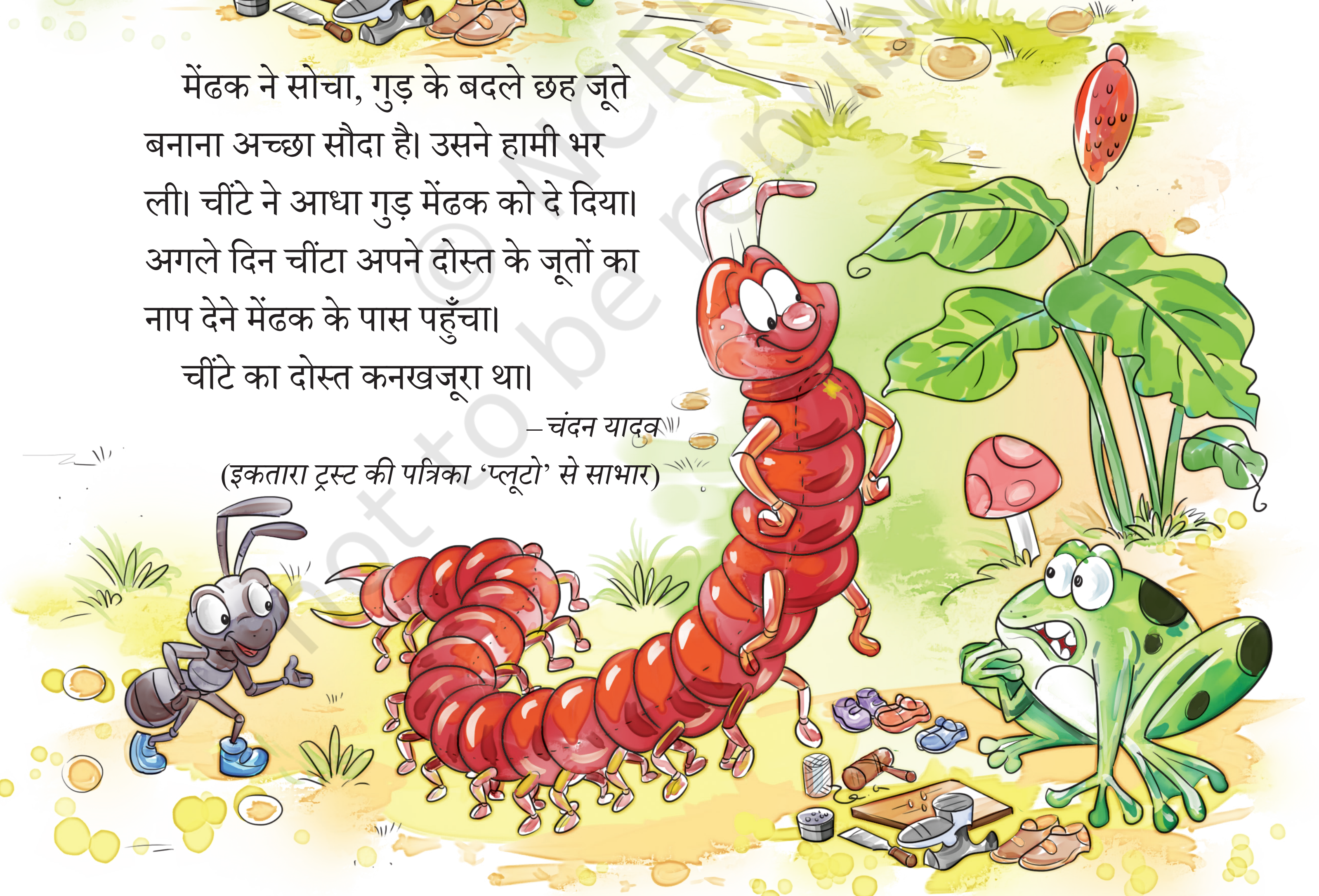

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 24 16-Apr-24 3:22:45 PM